इकाई - III

7. मेरा जीवन

प्रार्थना करने वाले होंठों से सहायता करने वाले हाथ कहीं अच्छे हैं।

- मदर तेरेसा

प्रश्न

1. यह चित्र किनका है?
2. आपको समाज सेवा करना कैसा लगता है?
3. मदर तेरेसा के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है?

उद्देश्य

कविता के प्रति रुचि रखते हुए काव्य सृजन का प्रयास करना।

लक्ष्य की राह में खुशहाल, सुखी जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा पाना।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए और पाठ समझिए।

SCERT TELANGANA

कवि परिचय

सुभद्रा कुमारी चौहान हिंदी साहित्य जगत में विशेष स्थान रखती हैं। इनका जन्म सन् 1904 में हुआ। इनकी प्रमुख दो काव्य रचनाएँ *मुकुल* और *त्रिधारा* हैं तथा तीन कहानी संग्रह- *बिखरे मोती, उन्मादिनी* और *सीधे-सादे* चित्र हैं। इनकी रचनाओं में राष्ट्रीयता व देशभक्तिपरक मूल्य कूट-कूट कर भरे हुए हैं। *झाँसी की रानी* जैसी ओजस्वी कविता लिखने वाली सुभद्रा कुमारी चौहान के सम्मान में भारतीय डाक सेवा ने उनके चित्र वाला डाक स्टैंप जारी किया। इनका निधन सन् 1948 में हुआ।

मैं ने हँसना सीखा है, मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल-पल पर, मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई, कैसी होती है पीड़ा।
हँस-हँस जीवन में कैसे, करती हैं चिंता क्रीड़ा।

जग है असार सुनती हूँ मुझको सुख-सार दिखाता।
मेरी आँखों के आगे सुख का सागर लहराता।
उत्साह उमंग निरंतर रहते मेरे जीवन में।
उल्लास विजय का हँसता मेरे मतवाले मन से।

आशा आलोकित करती मेरे जीवन को प्रतिक्षण।
है स्वर्णसूत्र से वलयित मेरी असफलता के धन।
सुख भरे सुनहरे बादल रहते हैं मुझको घेरे।
विश्वास, प्रेम, साहस हैं जीवन के साथी मेरे।

SCERT TELANGANA

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. खुशहाल जीवन की क्या विशेषता होती है?
2. 'प्रसन्न व्यक्ति कभी दुखी नहीं होता' इस पर अपने विचार बताइए।

(आ) कविता पढ़कर नीचे दिये गये अभ्यास पूरे कीजिए।

इन पंक्तियों का उचित क्रम बताइए।

1. उत्साह उमंग निरंतर रहते मेरे जीवन में । ( )
2. उल्लास विजय का हँसता मेरे मतवाले मन से । ( )
3. जग है असार सुनती हूँ मुझको सुख-सार दिखाता। ( )
4. मेरी आँखों के आगे सुख का सागर लहराता ( )

(इ) नीचे दी गयीं पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए।

1. हँस-हँस जीवन में कैसे करती है चिंता क्रीड़ा?
2. मेरी आँखों के आगे सुख का सागर लहराता।
3. सुख भरे सुनहरे बादल रहते हैं मुझको घेरे।
4. विश्वास, प्रेम, साहस जीवन के साथी मेरे।

(ई) नीचे दिया गया पद्यांश पढ़कर इसका भाव अपने शब्दों में लिखिए।

बार-बार आती है मुझको,
मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) पाठ के आधार पर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. कवयित्री ने जीवन में हँसने को क्यों महत्व दिया है?
2. आपको यह संसार कैसा लगता है?
3. अपने जीवन को खुशहाल कैसे बनाया जा सकता है?
4. कवयित्री ने जीवन का साथी किसे बताया है और क्यों?

(आ) 'मेरा जीवन' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) इस कविता को 'आत्मकथा' के रूप में लिखिए।

(ई) विश्वास, प्रेम और साहस का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। इस पर अपने विचार लिखिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) निम्न शब्दों पर ध्यान दीजिए।

सुख का सार	-	सुखसार
बिना किसी अंतर के	-	निरंतर
हर एक क्षण	-	प्रतिक्षण
सुख और दुख	-	सुख-दुख
जो कानों को मधुर लगें	-	कर्णमधुर

इस तरह दो या उससे अधिक शब्दों के मेल से बने शब्द को समास कहते हैं।

समास के प्रकार

अव्ययीभाव समास	-	प्रतिक्षण, निरंतर
कर्मधारय समास	-	स्वर्णसूत्र, नीलकमल
तत्पुरुष समास	-	सुखसार, सुखसागर
द्वंद्व समास	-	सुख-दुख, आशा-निराशा
द्विगु समास	-	चौराहा, त्रिभुज
बहुव्रीहि समास	-	गोपाल, पंकज

(आ) नीचे दिये गये शब्दों को सामासिक रूप में बताइए।

माता और पिता	घर-घर	राजा का भवन
कीचड़ में जन्म लेने वाला	तीन भुजाएँ	अग्नि जैसा क्रोध

(इ) विश्वास, साहस, निरंतर इन शब्दों के वाक्य प्रयोग कीजिए।

(ई) ऊपर दिये गये शब्दों के विग्रह कीजिए।

परियोजना कार्य

कोई एक प्रेरणादायक कविता संकलित कीजिए।

विचार-विमर्श

विश्वास, प्रेम, साहस आदि गुण हैं, जो किसी न किसी हद तक हम सबमें मौजूद है। आप में कौन-कौन से गुण ज्यादा विकसित हैं?

जीवन एक वरदान है। इसका हमें सदुपयोग करना चाहिए।

SCERT TELANGANA